

# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

साप्ताहिक/WEEKLY

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITYसं 24] नई दिल्ली, शनिवार, जून 12—जून 18, 2004 (ज्येष्ठ 22, 1926)  
No. 24] NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 12—JUNE 18, 2004 (JYAISTA 22, 1926)

इस भाग में भिन्न पुस्तक संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## विषय-सूची

भाग I--खण्ड-1--(रक्षा भंगालय को छोड़कर) भारत सरकार के भंगालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विभिन्न नियमों, विविधानों, आदेशों तथा संकरणों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	585	को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांखिक आदेश और अधिसूचनाएं
भाग I--खण्ड-2--(रक्षा भंगालय को छोड़कर) भारत सरकार के भंगालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, हटाईयों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	581	भाग II--खण्ड-3--उप खण्ड (III)--भारत सरकार के भंगालयों (जिनमें रक्षा भंगालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकारणों (संघ राजित होने के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांखिक नियमों और सांखिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपलिखियों भी शामिल हैं) के हिन्दी अधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं)
भाग I--खण्ड-3--रक्षा भंगालय द्वारा जारी किए गए संकरणों और असांखिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	3	भाग II--खण्ड-4--रक्षा भंगालय द्वारा जारी किए गए सांखिक नियम और आदेश
भाग I--खण्ड-4--रक्षा भंगालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, हटाईयों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	755	भाग III--खण्ड-1--उप खण्ड न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीकार, संघ सोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं
भाग II--खण्ड-1--अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	*	भाग III--खण्ड-2--पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेंट और डिजाइनों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं और नोटिस
भाग II--खण्ड-1क--अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ	*	भाग III--खण्ड-3--मुद्रण आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं
भाग II--खण्ड-2--विवेक तथा विवेकों पर प्रबल समितियों के विल तथा रिपोर्ट	*	भाग III--खण्ड-4--विविक अधिसूचनाएं विवाद सांखिक विकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विवाद और नोटिस शामिल हैं
भाग II--खण्ड-3--उप खण्ड (I)--भारत सरकार के भंगालयों (रक्षा भंगालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकारणों (संघ राजित होने के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांखिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपलिखियों आदि भी शामिल हैं)	4293	भाग IV--गैर-सरकारी अधिकारियों और गैर-सरकारी विकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस
भाग II--खण्ड-3--उप खण्ड (II)--भारत सरकार के भंगालयों (रक्षा भंगालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकारणों (संघ राजित होने के प्रशासनों	2915	भाग V--अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों को दर्शाने वाला सम्पूरक

## CONTENTS

PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court . . . . .	585	PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than Administration of Union Territories) . . . . .	585
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court . . . . .	581	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence . . . . .	581
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence . . . . .	3	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India . . . . .	505
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence . . . . .	755	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs . . . . .	4293
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations . . . . .	*	PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners . . . . .	*
PART II—SECTION 1A—Authoritative texts in Hindi languages of Acts, Ordinances and Regulations . . . . .	*	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies . . . . .	2915
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills . . . . .	*	PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies . . . . .	165
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (i)—General Statutory Rules including Orders, Bye-laws, etc. of general character issued by the Ministry of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) . . . . .	*	PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi . . . . .	*
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) . . . . .	*		

## भाग I—खण्ड I

## [PART I—SECTION 1]

**[रक्षा मंत्रालय को छोड़कर] भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विभिन्न नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकलनों से संबंधित अधिसूचनाएं]**

**[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]**

## राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 मई 2004

सं. 99-प्रेज/2004—राष्ट्रपति विनियमित व्यक्तियों को “उत्तम जीवन रक्षा पदक” पुरस्कार दिया जाने का अनुमोदन करते हैं :—

1. श्रीमती निर्मला देवी  
ग्राम-पीपली, झाकघर-ग्राम  
तहसील-सदर, जिला-मण्डी  
हिमाचल प्रदेश

17.4.2003 को श्रीमती निर्मला देवी ने, जो अपने घर के नज़दीक घास काट रही थी, देखा कि श्री यादविन्द्र कुमार (गडरिया) पर एक तैंदुए ने हमला कर दिया है। अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना श्रीमती निर्मला देवी दौड़ी-दौड़ी वहां गयीं और अपने हँसिए से तैंदुए पर बार किया। तैंदुए ने उस लड़के को तो छोड़ दिया लेकिन उनकी ओर झपट पड़ा। श्रीमती निर्मला देवी ने बड़ी बहादुरी से तैंदुए का मुकाबला किया और उसे अपने हँसिये से मार गिराया। इस प्रक्रिया में उन्हें गहरी खोई आई। श्रीमती निर्मला देवी ने अनुकरणीय साहस एवं रक्षरता का परिचय दिया तथा अपनी जान जोखिम में डालकर एक लड़के की जान बचायी।

2. श्री नरेन्द्र कुमार आर्य (मरणोपरांत)  
ग्राम व झाकघर उमरी  
परगाना-धामपुर, थाना नूरुपुर, जिला बिजनौर  
उत्तर प्रदेश

पेट्रोल/डीजल की एक दुकान में 3.5.2000 को आग लग गयी। दुकानदार की पत्नी और बच्चे आग में फँस गये। श्री नरेन्द्र कुमार आर्य, जो उस समय वहां भौजूद थे, आग में फँसे लोगों को बचाने के लिए दौड़कर घटनास्थल पर पहुँचे। तथापि इस प्रक्रिया में वह गम्भीर रूप से आग से मूलस गए और उनकी मृत्यु हो गयी। श्री नरेन्द्र कुमार आर्य ने अपने काण्ड में फँसे कुछ व्यक्तियों की जान बचाने में असाधारण साहस और बीरता का परिचय दिया तथा प्रक्रिया में अपने जीवन का अलिंदान दे दिया।

3. भास्टर रियाज़ अहमद  
106, कसाईबाड़ा शरीफ, बेकरी के नज़दीक  
अमीनाबाद, लखनऊ  
उत्तर प्रदेश

16.1.2003 को भास्टर रियाज़ अहमद ने नज़दीक की एक रेल-पटरी पर गाड़ी आती देखी। इसी पटरी पर श्री शब्दीर अली की बेटी बेबी साजिया लड़ी थी। भास्टर रियाज़ अहमद ने बीखकर बच्ची को उस पटरी से हट जाने को कहा। श्री रियाज़ बच्ची को बचाने के लिए दौड़े। तथापि, उमका पैर रेलवे लाइन में फँस गया और उस बच्ची की जान बचाने के प्रयास में उनका एक पैर और दोनों हाथ कट गए। भास्टर रियाज़ अहमद ने अपने प्राणों को खतरे में डालकर एक बच्ची की जान बचाने में साहस और बहादुरी का परिचय दिया और इस कार्य में अपने अंगों को खो दिया।

4. चालक ओमप्रकाश  
116, सड़क निर्माण कम्पनी (जीआरईएफ)

तेजू-हयूलियांग रोड पर निर्माणाधीन 220 पूट का तीन-तीन लेन वाला बेली बिज 7.4.2002 को अपने ही बजन से ढह गया। दुर्घटना के समय लगभग 50 व्यक्ति पुल पर भौजूद थे। पुल के साथ ही अधिकांश लोग नदी में जा गिरे। लगभग 30-35 आदमी ढहे हुए पुल के मलबे में गर्दन तक गहरे पानी में फँस गये। चालक एमटी ओमप्रकाश, जो घटनास्थल पर अपने ओसी तथा कुछ अन्य लोगों के साथ उपस्थित था, लोगों को पुल से निकालकर नदी के किनारे लाने के कार्य में जुट गया। वह 10-15 घायल लोगों को किनारे तक लाने में कामयाद रहा। चालक एमटी ओमप्रकाश ने अनुकरणीय साहस का परिचय दिया तथा बहादुरी से कई लोगों की जान बचायी।

5. चालक महेन्द्र  
116, सड़क निर्माण कम्पनी (जीआरईएफ)

हयूलियांग-चांगविन्दी रोड पर 3,800 कि.मी. स्लाइड क्लीयरेस के ऊपर से गुजर रहे लो-टेन्शन केबल 24.9.2002 को टूट कर गिर पड़े। श्री सैण्डो राइका, एक दिवाड़ी मज़ादूर उन तारों में फँस गया तथा बिजली के करेन्ट की जकड़ में आ गया। श्री महेन्द्र, चालक एमटी जो उस समय घटनास्थल पर भौजूद था, दौड़कर उसके पास गया तथा अपनी बैरेट तथा लाकड़ी के एक छोटे से ढंडे से तारों को हटाकर उस मज़ादूर को बचा लिया। श्री महेन्द्र, घायल व्यक्ति को लेकर तुरन्त यूनिट एमआई कक्ष पहुँचा जहां उसे प्राथमिक उपचार दिया गया और इस प्रकार उसकी जान बच गयी। श्री महेन्द्र ने अपनी जान को खतरे में डालकर एक व्यक्ति को बिजली के करंट से बचाने में उच्चकोटि के साहस और बहादुरी का परिचय दिया।

चरुण मित्रा  
निदेशक

संख्या 100-प्रेज/2004 — राष्ट्रपति निम्नलिखित व्यक्तियों को “जीवन रक्षा पदक” पुरस्कार दिए जाने का अनुसोदन करते हैं:-

1. मास्टर अभिनव गोगोई

गांव सं0 1 घाउलकारा,  
डाकघर कोनवेरपुर  
जिला और थाना— शिवसाठीर, असम

20.3.2003 को मास्टर अभिनव गोगोई अपने दो वर्षीय काजिन अभिजीत भुयान के साथ खेल रहा था। अद्यानक मास्टर अभिजीत भुयान पानी से भरे हुए कुंए में गिर पड़ा। अभिनव गोगोई अपनी जान की परवाह किए बिना अपने काजिन को बचाने के लिए कुंए में कूद गया। मास्टर गोगोई ने अपनी जानी को जोखिम में डालकर खूबने से एक बच्चे की जान बचाने में साहस और तत्परता का परिचय दिया।

2. श्री मुकेश कुमार

मार्फत छजू राम, गली नं0 1,  
नई बस्ती, हलवास गेट,  
भिवानी—127021, हरियाणा

17.3.2003 को पी.जी. कालेज, भिवानी के एक विद्यार्थी श्री मुकेश कुमार ने भिवानी रेलवे स्टेशन पर अपनी ट्रेन की प्रतीक्षा करते हुए देखा कि पांच वर्ष का एक बच्चा रेल की पटरियों के बीच खेल रहा है। अद्यानक उसने देखा कि एक ट्रेन उस ओर आ रही है जो बच्चे से मुश्किल से 30 फुट की दूरी पर ही थी। तेजी से आती हुई ट्रेन बच्चे को कुचलने ही वाली थी कि श्री मुकेश कुमार तुरन्त बच्चे को बचाने के लिए दौड़े। हालांकि, उन्होंने बच्चे को बचा लिया किन्तु उनके अपने सिर पर गहरी छोट आ गई। श्री कुमार ने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना एक बच्चे की जान बचाने में अनुकरणीय साहस और तत्परता का परिचय दिया।

## 3. कुमारी अल्का शर्मा

गांव एवं डाकघर जानसूह, तहसील नौदौन,  
जिला हमीरपुर,  
हिमाचल प्रदेश

7.9.2002 को कुमारी मोनिका अपनी सहपाठिन कुमारी अल्का शर्मा के साथ अपनी आंटी के घर जा रही थी। मान खड़क पार करते हुए कुमारी अल्का की सहपाठिन तेजी से बहते हुए पानी में जा गिरी। कुमारी अल्का अपनी सहेली को बचाने के लिए खड़क में कूद गई। उसने बेहोशी की हालत में अपनी सहेली को खड़क के किनारे की ओर खींच लिया। कुमारी अल्का ने अपनी जान को जोखिम में डालकर झूबने से एक लड़की की जान बचाने में बहादुरी और साहस का परिचय दिया।

## 4. श्री वरगीज़ एंटोनी

कलातिल हाउस, बेस्टर डाकघर,  
यडक्केकरा, चंगलाथेरी,  
अलपूङ्गा, केरल

7.3.2001 को मास्टर मनु मेथ्यु थोट्टुकड़यिल अधानक अपने स्कूल के निकट एक गहरी नहर में जा गिरा। मास्टर मनु की एक सहपाठिन कुमारी शान्ति वरगीज़ ने मदद के लिए पुकार की। उसकी पुकार सुनकर स्कूल के एक अध्यापक श्री वरगीज़ एंटोनी तुरन्त वहां दौड़े आए और इस बात की परियाह किए बिना कि उन्हें तैरना नहीं आता नहर में कूद गए। काफी प्रयास के बाद उन्होंने बच्ची को झूबने नहीं दिया और उसकी जान बचा ली। श्री वरगीज़ एंटोनी ने अपनी जान को जोखिम में डालकर एक बच्ची की जान बचाने में साहस और बहादुरी का परिचय दिया।

## 5. श्री पी० एम० मणि

पलरिल हाउस, डाकघर – अष्टमिधिरा,  
त्रिस्सूर जिला – 680731, केरल

30.5.2002 को 10 वर्षीय एक लड़का मास्टर अनूप एक कुंए में जा गिरा। बचाने के लिए उसकी पुकार सुनकर निकटवर्ती सिरेमिक कंपनी के एक कामगार श्री पी० एम० मणि तुरन्त मौके पर दौड़े आए और लड़के को बचाने के लिए कुंए में कूद पड़े। श्री मणि थक कर थूर हो गए थे और वह लड़के को कुंए से बाहर नहीं निकाल सके। तथापि, उन्होंने लड़के को तब तक पकड़े रखा जब तक कि अन्य लोग वहां पहुंच नहीं गए और उन्होंने उन्हें कुंए से बाहर नहीं खींच लिया। श्री पी० एम० मणि की समय पर और साहसपूर्ण कार्रवाई के कारण एक दस वर्षीय लड़के को झूबने से बचा लिया गया।

6. मास्टर अमित शंकर श्रीवास्तव  
हनुमान गली, कंपू रोड, लश्कर,  
ग्वालियर, मध्य प्रदेश
7. मास्टर सुमित शंकर श्रीवास्तव  
हनुमान गली, कंपू रोड, लश्कर,  
ग्वालियर, मध्य प्रदेश

4.8.2002 को बिजली की एक तार श्री मुकेश बाल्मीकि पर आ गिरी। करंट घाली तार की अपेट में आ जाने से उनके हाथ में जोर का झटका लगा। उन्होंने सहायता के लिए धीख-पुकार की। मास्टर सुमित और मास्टर अमित ने उनकी धीख-पुकार सुनी और वे उन्हें बधाने के लिए दौड़े आए। वे एक लकड़ी की छड़ ले आए और उन्होंने श्री मुकेश के हाथ पर लिपटी तार को हटाने की कोशिश की। काफी कोशिशों के बाद उन्होंने तार को मुकेश के हाथ से अलग कर दिया। मास्टर अमित और मास्टर सुमित ने छड़ से बिजली की तार हटाई और श्री मुकेश को नाले से बाहर निकाला। मास्टर अमित और मास्टर सुमित ने अपनी जान को जोखिम में डालकर बिजली का करंट लगाने से एक व्यक्ति की जान बधाने में साहस और बहादुरी का परिचय दिया।

8. श्री संजय बर्मन  
मकान सं 26/27, निकट पादुका मन्दिर,  
ग्वारीघाट, झंडा चौक,  
जबलपुर, मध्य प्रदेश

15.6.2003 को ग्वारीघाट पर स्नान करते समय कुछ व्यक्ति नर्मदा नदी में तेज प्रवाह के कारण ढूबने लगे। सहायता के लिए उनकी धीख-पुकार सुनकर श्री संजय बर्मन ढूबते हुए व्यक्तियों को बधाने के लिए नदी में कूद गए। वे एक-एक करके आर व्यक्तियों को बधाने में सफल हो गए। श्री बर्मन ने अपनी स्वयं की जान को जोखिम में डालकर आर व्यक्तियों की ढूबने से जान बधाने में अदम्य साहस एवं बहादुरी का परिचय दिया।

9. मास्टर सत्यम महेन्द्र खान्डेकर,  
ए एल-5-4-3 पंचदीप अपार्टमेंट्स,  
सैक्टर 17, ऐरोली,  
नवी मुम्बई-400 708, महाराष्ट्र

6.5.2003 को मास्टर सत्यम अपने पिता के साथ तैरने के लिए नवी-मुम्बई में राजेश हैत्थ कलब गया। मास्टर सत्यम ने अभी केवल एक माह का प्रशिक्षण पूरा किया था तथा वह अभी तैराकी सीखने के अपने प्रारंभिक दिनों में थल रहा था। यकायक उसने एक बच्चे को पानी में डूबते हुए देखा। मास्टर सत्यम उस बच्चे की सहायता करने के लिए फौरन तालाब में कूद गया। उसने उस बच्चे को पकड़ लिया तथा सीढ़ियों की ओर खींचते हुए सहायता के लिए गुहार लगाना शुरू कर दिया। सहायता के लिए उसकी गुहार सुनकर कोय घटना स्थल की तरफ दौड़ तथा उसने डूबते हुए बच्चे को पानी से बाहर खींच लिया। अपनी अल्पायु के बावजूद मास्टर सत्यम ने डूबने से एक बच्चे की जान बचाने में अदम्य साहस एवं सूझबूझ का परिचय दिया।

10. श्री अशोक कुमार

गोविन्द नगर, कैम्पबैल बे,  
ग्रेट निकोबार आइलैण्ड

11.3.2003 को यात्रियों को पॉन्टून से लगी एक छोटी नौका द्वारा कैम्पबैल बे जेटी से एमवी हर्षवर्धन जहाज पर ले जाया जा रहा था। समुद्र बहुत तूफानी हो रहा था। एक यात्री श्री परमजीत सिंह जहाज एवं नौकापुल पॉन्टून के बीच समुद्र में फिसल गया। उस समय जहाज से उतर रहे श्री अशोक कुमार समुद्र में कूद गए तथा उन्होंने श्री परमजीत सिंह को पकड़ लिया और उसे पॉन्टून की ओर खींच लाए और इस प्रकार श्री परमजीत सिंह की जान बचाई। श्री अशोक कुमार ने अपनी स्वयं की जान को जोखिम में डालकर श्री परमजीत सिंह की जान बचाने में अदम्य साहस एवं बहादुरी का परिचय दिया।

11. श्री कमला प्रसाद

मिलट्री हॉस्पिटल,  
अमृतसर, पंजाब

29.1.2003 को हवलदार कमला प्रसाद ने देखा कि उसके पड़ोसी के घर के बाहर भारी भीड़ लगी हुई है और लोग चिल्ला रहे हैं कि घर के अन्दर एल पी गैस रिस रही है। घर के अन्दर एक बच्चा फँस गया था। अपनी निजी सुरक्षा के बारे में एक पल भी सोचे दिना, हवलदार प्रसाद मकान के अन्दर घुस गए। जैसे ही उन्होंने कमरे में प्रवेश किया वैसे ही एक धमाका हुआ तथा कमरे में आग फैल गई। उन्होंने बच्चे को आग में फँसा पाया। हवलदार प्रसाद ने तत्काल बच्चे को उठा लिया तथा उसे आग से बचाते हुए बाहर निकाल लाए। इस प्रक्रिया में उनका थेहरा, गरदन, हाथ एवं जांघें बुरी तरह जल गयीं। हवलदार प्रसाद ने आग की दुर्घटना में एक बच्चे की जान बचाने में अदम्य साहस एवं बहादुरी का परिचय दिया।

## 12. श्री परमेश्वरन मनोकरन

146, न्यू कालोनी, डोड्डाना नगर,  
कवल, बीरसन्दा पोस्ट,  
बंगलौर—560 032, कर्नाटक

(मरणोपरान्त)

7.5.2003 को एक थार वर्षीय लड़की दुर्घटनावश एक कुए में जा गिरी। सहायता के लिए उसकी आवाज़ सुनकर एक राहगीर बच्ची को बचाने के लिए कुए में उतरा। तथापि, वह व्यक्ति भी कुए में फंस गया। तत्पश्चात् श्री परमेश्वरन ने सहायता के लिए घिल्लाने की आवाज़ सुनी। उसने तुरन्त एक रस्सी ली तथा बच्ची एवं दूसरे व्यक्ति को बचाने के लिए कुए में उतर गया। जैसे ही वह कुए के अन्दर गया, वह भी कुए में मौजूद भंभके के प्रभाव में आ गया तथा झूल गया। श्री परमेश्वरन मनोकरन ने दो व्यक्तियों की जाम बचाने में अदम्य साहस एवं बहादुरी का परिचय दिया तथा इस प्रक्रिया में अपने जीवन का बलिदान कर दिया।

## 13. श्री देवानंद तिवारी

लांधर सैक्षण,  
2212 स्कवाड्सन, एयर फोर्स,  
मार्फत 56 ए पी ओ

6.9.2003 को श्री देवानंद तिवारी जन शताब्दी एक्सप्रेस में नई दिल्ली से बेहरादून की यात्रा कर रहे थे। जब रेलगाड़ी देवबंद स्टेशन पर पहुंच रही थी तो यह पटरी से उत्तर गई। जिस कम्पार्टमेंट में श्री तिवारी यात्रा कर रहे थे वह दो बार पलटने के बाद एक पुल के किनारे से उत्टा जा लगा। दहशतमंद यात्रियों ने जैसे ही बाहर निकलने का प्रयास किया, कम्पार्टमेंट असंतुलित हो गया। श्री तिवारी ने खिड़कियों के शीरे तोड़ दिए तथा एक—एक करके धायल यात्रियों को बाहर निकालने में सहायता की। यात्रियों को बचाने के बाद वे स्वयं सबसे बाद में बाहर आए। श्री देवानंद तिवारी ने एक रेल दुर्घटना में 20 यात्रियों की जान बचाने में अदम्य साहस एवं सूझबूझ का परिचय दिया।

## 14. मास्टर राम नयन यादव

ग्राम आराजी दूही,  
धर्मपुर एहतमाली,  
पोस्ट दुबोलिया बाजार,  
जनपद बस्ती—272141  
उत्तर प्रदेश

4.8.2002 को 10 वर्ष से कम आयु के तीन बच्चे मास्टर कल्लू मास्टर संतोष तथा मास्टर राधव राम, घाघरा नदी में स्नान करने के लिए गए। नदी में बाढ़ आई हुई थी अतः नदी का बहाव बच्चों को बहाकर ले गया और वे खूबने लगे। मास्टर राम नयन यादव जो पास ही के खेत में काम कर रहा था, भागकर बहां आया। उसने नदी में छलांग लगा दी तथा बच्चों को खीचकर पानी से बाहर निकाला और उनकी जान बचायी। मास्टर राम नयन यादव ने तीन खूबते हुए लड़कों की जान बचाने में साहस एवं वीरता का परिचय दिया।

15. कुरु सुरमया यू.आर.

सत्यभामा, घेरमकुलनगर

डाकघर—पर्स्थीपुल्लौ, पालककाड—678573

केरल

12.12.2003 को कुमारी अखिला अपनी सहपाठिन कुमारी सुरमया के साथ पास की एक नहर में स्नान करने के लिए गई। कुमारी अखिला पानी में गिर पड़ी तथा वह खूबने लगी। एक फुशल तैराक न होते हुए भी अपनी सहपाठिन को बचाने के लिए कुमारी सुरमया नहर में कूद पड़ी। कुछ संघर्ष के उपरान्त, वह कुमारी अखिला का हाथ पकड़ने में सफल रही तथा उसे खीचकर नहर के किनारे पर लाई और इस प्रकार उनकी जान बचाई। कुमारी सुरमया यू.आर. ने अपनी सहपाठिन की जान बचाने के लिए अपनी जान को जोखिम में डालकर साहस एवं बहादुरी का परिचय दिया।

16. कुमारी सिक्यूटीडारिस लिंगखोई

मरकासा परिचयम्

खासी पहाड़ियां—793119

मेघालय

13.1.2003 को कुछ बदमाश श्री एस० के० जाना के घर में घुस गए तथा उन पर हमला कर दिया। उनकी थीख—पुकार सुनकर उनकी पत्नी एवं बच्चे दौड़े आए। यह देखकर कि बदमाश उनके कमरों में घुसने की कोशिश कर रहे हैं, कुमारी सिक्यूटीडारिस ने कमरे में पड़ा एक "दाव" उठा लिया तथा उकैतों में से एक के हाथ पर दे भारा जिससे उनकी उंगलियां कट गईं। शोरगुल के कारण पड़ोसी उनके घर पर इकट्ठा हो गए तथा उकैत फरार हो गए। उकैतों का मुकाबला करने में कुमारी सिक्यूटीडारिस ने साहस एवं बहादुरी का परिचय दिया।

17. मास्टर अजीत कुमार पी.टी.  
 पल्लिकमादतिल, पाणिचायम,  
 डाकघर नेदुंगापरा, जिला एर्नाकुलम—683545  
 केरल

7.4.2003 को 12 वर्षीय मास्टर सरन कुमार पेरियार घाटी सिंचाई नहर में नहा रहा था तब अचानक तीव्र धारा के साथ वह बहने एवं झूबने लगा। मास्टर अजीत कुमार ने नहर में छलांग लगा दी तथा काफी संघर्ष के बाद उसने मास्टर सरन कुमार को किनारे की ओर खींच लिया तथा उसकी जान बचाई। मास्टर अजीत कुमार पी.टी. ने झूबते हुए लड़के की जान बचाने में बहादुरी का परिचय दिया।

18. कुमारी रामसीना आर.एम.  
 राजेना हाउस, कुट्टीचल,  
 तिरुनंतपुरम—695574  
 केरल

8.04.03 को कुमारी रामसीना एवं उसकी तीन वर्षीय कपिजिन कुमारी रिजाना अपने घर के सामने खेल रही थीं। तीव्र गति से आती हुई एक कार उनके घर के अहाते से टकराई। यह देखकर कि कुमारी रिजाना कार के रास्ते में खड़ी है, कुमारी रामसीना उसे बचाने के लिए दौड़ी आयी। इसी प्रक्रिया में कार ने कुमारी रामसीना की दाई टांग को कुचल दिया। हालांकि, कुमारी रिजाना को बधा लिया गया किन्तु कुमारी रामसीना की घुटने से नीचे की टांग को काटना पड़ा। कुमारी रामसीना ने अपनी जान को जोखिम में डालकर एक लड़की की जान बचाने में साहस एवं तत्परता का परिचय दिया।

19. कुमारी द्युनेश्वरी कोथालिया  
 द्वारा श्री मूलचंद कोथालिया,  
 ग्राम एवं डाकघर पानेका,  
 जिला राजनांदगांव, छत्तीसगढ़

26.04.03 को जब श्री मूलचंद कोथालिया एवं उनकी पत्नी दोनों घर से बाहर काम पर गए हुए थे तब उनके घर में आग लग गई। श्री कोथालिया का  $2\frac{1}{2}$  वर्षीय बेटा मास्टर दीपक घर में सोया हुआ था। कुमारी द्युनेश्वरी मास्टर दीपक को सुरक्षित घर से बाहर ले आई। आग लगने की स्थिति में बच्चे की जान बचाने में कुमारी द्युनेश्वरी कोथालिया ने बहादुरी एवं तत्परता का परिचय दिया।

## 20. मास्टर रामसाधारण

मार्फत श्री भाद्र, ग्राम—भालूकाचर,  
पोस्ट—दरीमा, ब्लॉक अम्बिकापुर,  
छत्तीसगढ़

3.5.2003 को मास्टर अर्जुन तथा मास्टर रामसाधारण पशुओं को चराने के लिए बरनई नदी के तट पर गए। मास्टर अर्जुन पर अद्यानक एक तेंदुए ने आक्रमण कर दिया। मास्टर रामसाधारण ने तेंदुए पर पत्थर फेंकना और लगातार थीखना—चिल्लाना शुरू कर दिया। तेंदुआ मास्टर रामसाधारण की ओर लपका, लेकिन वे लगातार तेंदुए पर पत्थर फेंकते रहे। एक पत्थर तेंदुए को आ लगा और वह भाग गया। मास्टर रामसाधारण ने अपनी जान की प्रवाह किए बिना, तेंदुए के आक्रमण से एक लड़के की जान बचाने में साहस और बहादुरी का परिचय दिया।

## 21. मास्टर असीत रंजन सामल

श्री रबी प्रसाद सामल,

(मरणोपरांत)

मुकाम/डाकघर अंगलो

जिला जाजपुर—755035, उड़ीसा

29.5.2003 को, मास्टर असीत रंजन सामल, उनका मित्र श्री देवी प्रसन्ना जेना और उनका कजिन मास्टर अमीत कुमार सामल खरसरोटा नदी में बेगामारा घाट पर स्नान करने गए। स्नान करते समय, मास्टर प्रसन्ना जेना और मास्टर अमीत कुमार सामल दोनों तेज धारा के प्रवाह में बहने लगे और तेज भैंवर में फंस गए। उन्हें छूबते देख, मास्टर असीत सामल तैरते हुए उनकी तरफ गए और उन्हें खतरे से बाहर निकाल लाए। तथापि, अपने प्रयास में थककर थूर हुए मास्टर असीत सामल खुद भंवर में फंस गए और छूब गए। मास्टर असीत रंजन सामल ने छूबने से दो व्यक्तियों की जान बचाने के प्रयास में असाधारण साहस और बहादुरी का परिचय दिया। तथापि, इस प्रक्रिया में वह अपनी जान गंवा दी।

## 22. मास्टर लालरामदीनथरा

सलेम बोर्डिंग स्कूल

(मरणोपरांत)

पो०ओ० वेस्ट केलेंग,

जिला ममीत—796431, मिजोरम

12.6.2003 को सलेम बोर्डिंग स्कूल के छात्रावासियों को जलरी खाद्य-पदार्थ लेने के लिए मेन रोड पर जाना पड़ा। रास्ते में उन्हें तेझेई नदी को पार करना था जिसमें बाढ़ आई हुई थी। जैसे ही मास्टर लालरामदीनथरा और जोथानपुर्झिया, तेझेई नदी को तैरकर पर कर रहे थे तभी मास्टर लालरामदीनथरा को अपने मित्र की चीख सुनाई दी जो सहायता के लिए पुकार कर रहा था। उस समय मास्टर लालरामदीनथरा लगभग किनारे के पास पहुंच चुके थे। वह तैरकर अपने मित्र को बचाने के लिए वापिस आए। मास्टर जोथानपुर्झिया ने मास्टर लालरामदीनथरा को कसकर पकड़ लिया इसके फलस्वरूप, तेज धारा दोनों लड़कों को बहा ले गई। हालांकि लालरामदीनथरा एक अच्छे तैराक थे किन्तु दूसरे लड़के द्वारा उन्हें कसकर पकड़ लिए जाने के कारण वे अपने आपको नहीं बचा सके। मास्टर जोथानपुर्झिया को बाद में उसके अन्य मित्रों द्वारा बचा लिया गया, परन्तु मास्टर लालरामदीनथरा को नहीं बचाया जा सका। मास्टर लालरामदीनथरा ने अपने मित्र की जान बचाने के प्रयास में अत्यंत साहस और बहादुरी का परिचय दिया। तथापि, उन्होंने इस प्रयास में अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान दे दिया।

### 23. मास्टर विवेक पुरकायस्थ

मार्फत श्री एस० के० डे,  
उल्लूबाड़ी, जी०एस० रोड,  
गुवाहाटी-७८१००७, असम

22.6.2003 को 6 डाकूओं के एक गिरोह ने श्री पुरकायस्थ के घर में सेंध लगा दी। जब उन्होंने और उनकी पत्नी ने धन और आभूषण देने से इंकार कर दिया तो डाकूओं ने श्रीमती पुरकायस्थ पर तेज हथियार से वार कर उनके सिर को गंभीर चोट पहुंचाई। मास्टर विवेक ने, जो दूसरे कमरे में सो रहे थे, शोरगुल सुना और उस स्थान पर दौड़कर आए और देखा कि उनके पिताजी पर हमला हो रहा है। मास्टर विवेक ने एक डाकू को पकड़ लिया और सहायता के लिए चीख-पुकार की। डाकूओं ने उनको पीटा और चाकू से घायल कर दिया। किन्तु मास्टर विवेक ने उन्हें जाने नहीं दिया। इसी बीच, उनकी घिल्लाहट सुनकर पड़ोसी उनके घर की तरफ दौड़े आए। डाकूओं ने भागने की कोशिश की। तथापि, मास्टर विवेक ने एक डाकू को कसकर पकड़ रखा। पड़ोसियों की सहायता से भागते हुए दो अन्य डाकूओं को भी पकड़ लिया गया। मास्टर विवेक पुरकायस्थ ने डकैती के एक मामले को विफल करते हुए अनुकरणीय साहस और बहादुरी का परिचय दिया और तीन डाकूओं को भी पकड़वाया।

वृष्टि द्विती  
(बरुण मित्र)  
निदेशक

दिनांक, 31 मई 2004

संख्या 98-प्रेज/2004, श्री एस दुरैराज, कमांडेंट, 10वीं बटालियन, टी.एस.पी., उलूंडरपेट, तमिलनाडु को सराहनीय सेवा के लिए पुलिस पदक प्रदान किए जाने सेवांधी भारत के राजपत्र के भाग 1, खंड I में शनिवार दिनांक 21 फरवरी, 2004 को प्रकाशित राष्ट्रपति सचिवालय की 26 जनवरी, 2004 की अधिसूचना संख्या 2-प्रेज/2004 को एतद्वारा निरस्त किया जाता है और पुलिस पदक प्रदान किए जाने से संबंधित नियमों के नियम 8 के अधीन पदक की जब्ती की जाती है।

बरुण मित्र,

(बरुण मित्र)  
निदेशक

**PRESIDENT'S SECRETARIAT**  
**New Delhi, the 28th May 2004**

No. 99-Pres/2004 - The President is pleased to approve the "**UTTAM JEEVAN RAKSHA PADAK**" award to the under mentioned persons:-

1. **SMT. NIRMALA DEVI**  
VILLAGE PIPLI, P.O. TROH, TEH. SADAR  
DISTT. MANDI  
HIMACHAL PRADESH

On 17.4.2003, Smt. Nirmala Devi, who was cutting grass near her house, saw Shri Yadvinder Kumar (a shepherd) being attacked by a leopard. Without caring for her personal safety, she rushed there and hit the leopard with her sickle. The leopard left the boy and jumped over her. Smt. Nirmala Devi bravely fought with the leopard & managed to kill it with her sickle. However, in the process, she sustained injuries of serious nature. Smt. Nirmala Devi exhibited exemplary courage and promptitude and saved the life of a boy at a risk to her own life.

2. **SHRI NARENDER KUMAR ARYA** (POSTHUMOUS)  
VILLAGE & P.O. UMARI, PARGANA- DHAMPUR,  
THANA-NURPURU, DISTT.- BIJNOR,  
UTTAR PRADESH

On 3.5.2000, a fire spread out in a petrol/diesel shop. The wife and the children of the shop owner got trapped in the fire. Shri Narender Kumar Arya who was present at the site rushed to save the persons trapped in the fire. However, in the process, he received severe burn injuries and died. Shri Narender Kumar Arya showed extraordinary courage and bravery in saving the lives of some persons in a fire incident and made the sacrifice of his life in the process.

3. **MASTER RIYAZ AHMED**  
106, KASAIBARA SHARIF, NEAR BAKERY  
AMINABAD, LUCKNOW,  
UTTAR PRADESH

On 16.1.2003, Master Riyaz Ahmed saw a train approaching on a nearby railway track on which Baby Sazia, daughter of Shri Sabir Ali, was standing. Master Riyaz Ahmed shouted and asked the girl to get away from the track. Shri Riyaz ran to save the girl. However, his foot got trapped in the railway line and he lost both his hands and foot in his attempt to save the life of the girl child. Master Riyaz Ahmed showed courage and bravery in his attempt to save the life of a girl at a risk to his own life and lost his limbs in the process.

**4. DRIVER OM PRAKASH  
116 ROAD CONSTRUCTION COY (GREF)**

On 7.4.2002, 220 Ft Triple-Triple configuration Bailey Bridge which was under construction on Tezu-Hayuliang road collapsed under its own weight. At the time of the accident about 50 persons were present on the bridge. Most of these people went down into the river along with the bridge. About 30-35 persons got trapped in the mass of the collapsed bridge in neck deep water. Driver MT Om Prakash, who was present at the site of the incident along with his OC and few more people got into the action of evacuating people from the bridge towards the bank. He was able to evacuate about 10-15 injured persons. Driver MT Om Prakash showed exemplary courage and saved many human lives by virtue of his bravery.

**5. DVR MAHENDER  
116 ROAD CONSTRUCTION COY (GREF)**

On 24.9.2002, the low tension cables passing over the slide clearance at KM 3.800 on Hayuliang-Changwinti Road snapped. Shri Sando Raika, a casual paid labour, got entrapped in the cables and was in the grip of electric current. Shri Mahender, Driver MT, who was present at the site rushed towards him and removed the laborer by holding the cables with his barrette and a small wooden stick. Shri Mahender immediately took the injured person to the Unit MI Room where he was given first aid and his life was thus saved. Shri Mahender showed courage and bravery of high order in saving the life of a person from electrocution at a risk to his own life.

  
(Barun Mitra)  
Director

No. 100-Pres/2004 - The President is pleased to approve the "JEEVAN RAKSHA PADAK" award to the under mentioned persons:-

1. **MASTER ABHINAB GOGOI**  
VILL- NO.1 CHAULKARA, P.O. KONWERPUR  
DISTT. & P.S.- SIVASAGAR, ASSAM

On 20-3-2003, Master Abhinab Gogoi was playing with his cousin, Abhijit Bhuyan, aged 2 years. Master Abhijit Bhuyan accidentally fell into a well full of water. Shri Abhinab Gogoi, without caring for his personal safety, jumped into the well to rescue his cousin. Master Gogoi showed courage & promptitude in saving the life of a child from drowning at a risk to his own life.

2. **SHRI MUKESH KUMAR**  
C/O SHRI CHAJU RAM, GALLI NO. 1,  
NAI BASTI, HALWAS GATE,  
BHIWANI-127021, HARYANA

On 17.3.2003, Shri Mukesh Kumar, a student of P.G. College, Bhiwani, while waiting for his train at Bhiwani Railway Station saw a 5 year old child playing between the Railway lines. Suddenly, he saw a train approaching which was hardly 30 feet away from the child. The child was about to be crushed by the speeding train when Shri Mukesh Kumar immediately rushed to save the child. While he was able to save the child, he himself got seriously injured on his head. Shri Kumar showed exemplary courage and promptitude in saving the life of a child without caring for his personal safety.

3. **KUMARI ALKA SHARMA**  
VPO JANSOOH, TEH. NADAUN  
DISTT. HAMIRPUR  
HIMACHAL PRADESH

On 7.9.2002, Kumari Mónika was on her way to her aunt's house alongwith her classmate Kumari Alka Sharma. While crossing the Maan Khad, her classmate suddenly got washed in a flash flood. Kumari Alka jumped into the Khad to save her friend. She pulled her frined towards the edge of Khad in an unconscious state. Kumari Alka Sharma showed bravery and courage in saving the life of a girl from drowning by endangering her own life.

4. SHRI VARGHESE ANTONY  
KALATHIL HOUSE, VEROOR P.O.,  
VADAKKEKARA, CHANGANACHERRY,  
ALAPPUZHA, KERALA

On 7.3.2001, Master Manu Mathew Thottukadavil, accidentally fell into a deep canal near his School. Kum. Santhi Varghese, a classmate of Master Manu, screamed for help. On hearing the screams, Shri Varghese Antony, a teacher of the school rushed there and jumped into the deep canal without giving a thought to the fact that he did not know swimming. After much effort, he was able to rescue the child from drowning and saved his life. Shri Varghese Antony showed courage and bravery in saving the life of a child from drowning at a risk to his own life.

5. SHRI P.M. MANI  
PALARIL HOUSE,  
P.O.-ASHTAMICHIRA,  
THRISSUR DISTRICT, 680731, KERALA.

On 30.5.2002, Master Anoop, a ten year old boy fell into a well. Hearing the cries for rescue, Shri P.M. Mani, a labourer of nearby Ceramic Company, rushed to the spot and jumped into the well to save the boy. Shri Mani got exhausted and was not able to bring the boy out of the well. However, he kept on holding the boy till other people reached and pulled them out of the well. The timely and courageous action of Shri P.M. Mani saved a ten year old boy from drowning.

6. MASTER AMIT SHANKAR SHRIVASTAVA  
HANUMAN GALI  
KAMPU ROAD, LASHKAR  
GWALIOR, MADHYA PRADESH

7. MASTER SUMIT SHANKAR SHRIVASTAVA  
HANU HANUMAN GALI  
KAMPU ROAD, LASHKAR  
GWALIOR, MADHYA PRADESH

On 4.8.2002, an electric wire fall upon Shri Mukesh Valmiki. The man came in contact with the live wire and received a strong shock in his hand. He started shouting for help. Master Sumit and Master Amit heard his cries & rushed to save the man. They brought a wooden stick each and tried to remove the wire from the man. After continuous efforts, the wire was separated from Shri Mukesh's hand. Master Sumit and Master Amit removed the electric wire with stick and pulled out Shri Mukesh from the Nallah. Master Amit and Master Sumit showed courage and bravery in saving the life of a person from electrocution at a risk to their own lives.

8. SHRI SANJAY BURMAN  
H.NO. 26/27 NEAR PADUKA MANDIR,  
GWARIGHAT, JHANDA CHOWK,  
JABALPUR, MADHYA PRADESH.

On 15.6.2003, while taking bath at Gwarighat, some persons started drowning due to heavy currents in the Narmada river. On hearing their screams for help, Shri Sanjay Burman jumped into the river to rescue the drowning persons. He was able to save four persons one-by-one. Shri Burman showed courage and bravery in saving the lives of four persons from drowning at a risk to his own life.

9. MASTER SATYAM MAHENDRA KHANDEKAR  
AL-5-4-3 PANCHDEEP APARTMENTS  
SECTOR 17, AIROLI  
NAVI MUMBAI-400 708, MAHARASHTRA

On 6.5.2003, Master Satyam alongwith his father went to Rajesh Health Club in Navi Mumbai for swimming. Master Satyam had just completed one month training and was into his initial days of learning swimming.

Suddenly, he noticed a child drowning in the water. Master Satyam immediately jumped into the pool to help the child. He caught hold of him and started pulling him to the staircase simultaneously shouting for help. On hearing his call for help, the coach rushed to the spot and pulled the drowning kid out of water. Master Satyam despite his young age showed exemplary courage and presence of mind in saving the life of a child from drowning.

**10. SHRI ASHOK KUMAR  
GOVIND NAGAR, CAMPBELL BAY,  
GREAT NICOBAR ISLAND**

On 11.3.2003, passengers from Campbell Bay jetty were being taken to the MV Harshvardhan ship by a small boat attached with a pontoon. The sea was very rough. One passenger Shri Paramjit Singh slipped down in the sea between the ship and Pontoon. Shri Ashok Kumar who was disembarking from the ship jumped into the sea and caught hold of Shri Paramjit Singh and pulled him towards the pontoon and saved his life. Shri Ashok Kumar showed courage and bravery in saving the life of Shri Paramjit Singh at a risk to his own life.

**11. SHRI KAMLA PRASAD  
MILITARY HOSPITAL,  
AMRITSAR, PUNJAB**

On 29.1.2003, Hav. Kamla Prasad saw that a large crowd had gathered outside his neighbour's house and people were shouting that LP Gas was leaking inside the house. One child was trapped inside the house. Hav Prasad, without giving a second thought to his personal safety entered the house. As soon as he

entered the room, there was a blast and fire broke into the room. He found the child trapped in the fire. Hav. Prasad immediately picked up the child and shielding him from fire brought him out. In the process, he himself suffered severe burns all over his face, neck, hands and thighs. Hav. Prasad exhibited courage and bravery in saving the life of a child in a fire incident.

12. SHRI PARAMESWARAN MANOKARAN (POSTHUMOUS)  
146, NEW COLONY, DODDANNA NAGAR,  
KAVAL, BYRASANDRA POST,  
BANGALORE-560 032, KARNATAKA

On 7.5.2003 a four-year old girl accidentally fell into a well. On hearing the calls for help, a passer by got into the well to rescue the child. However, that man also got trapped inside the well. Thereafter, Shri Parameswaran heard the cries for help. He immediately took a rope and went down the well to rescue the child and the other person. As he went inside the well, he also came under the influence of fumes present in the well and drowned. Shri Parameswaran Manokaran displayed courage and bravery in his attempt to save the lives of two persons and sacrificed his own life in the process.

13. SHRI DEWANAND TIWARY  
LAUNCHER SECTION  
2212 SQUADRON, AIR FORCE  
C/O 56 APO

On 6.9.2003, Shri Dewanand Tiwary was travelling by Jan Shatabdi Express to New Delhi from Dehradun. While the train was approaching Deoband station, it got derailed. The compartment in which Shri Tiwary was travelling came to a halt on the edge of a bridge upside down after tumbling twice. As the passengers tried to get out in panic, the compartment became imbalanced. Shri Tiwary broke the windowpanes and helped the injured passengers exit one by one. After rescuing passengers he came out last. Shri Dewanand Tiwary showed commendable courage and presence of mind in saving the lives of 20 passengers in a rail accident.

**14. MASTER RAM NAYAN YADAV**  
VILLAGE AARAJI DOOHI,  
DHARMUPUR AIHATMALI,  
POST DUBOLIYA BAZAR  
JANPAD BASTI-272141,  
UTTAR PRADESH.

On 4.8.2002, three children Master Kallu, Master Santosh and Master Raghav Ram all below 10 years went to bathe in Ghaghra river. The river was in spate and the children got carried away by the current and started drowning. Master Ram Nayan Yadav, who was working in a field nearby rushed to the spot. He jumped into the river and pulled the children out of the water and saved their lives. Master Ram Nayan Yadav displayed courage and bravery and saved the lives of three boys from drowning.

**15. KUM. SURAMYA U.R.**  
C/O SATHYABAMA, CHERAMKULANGARA,  
P.O.- PARUTHIPPULLY, PALAKKAD-678573,  
KERALA.

On 12.12.2002, Kum. Akhila had gone for a bath to the nearby canal along with her classmate Kum. Suramya. Kumari Akhila fell into the water & started drowning. Though not an expert swimmer, Kum Suramya jumped into the canal to rescue her classmate. After some struggle, she managed to catch hold of Kum. Akhila's hand and dragged her to the bank of the canal and saved her life. Kum Suramya U.R. showed courage and bravery in saving the life of her classmate at a risk to her own life.

**16. KUM SKIEWTIDARIS LYNOKHOI**  
MARKASA WEST  
KHASI HILLS-793119  
MEGHALAYA

On 13.1.2003, some miscreants entered the house of Shri S.K. Jana and attacked him. Hearing his screams, his wife and children rushed there. Noticing that the miscreants were trying to enter their rooms, Kum Skiewtidaris picked a "dao" lying in the room and hit one of the dacoits on his hand, cutting off his fingers. The commotion attracted the neighbours to the house and the dacoits fled away. Kum. Skiewtidaris Lyngkhoi showed courage and bravery in fighting the dacoits.

17. **MASTER AJITH KUMAR P.T.**  
**PALLIKAMADATHIL, PANICHAYAM**  
**P.O.NEDUNGAPRA, DISTT. ERNAKULAM-683545,**  
**KERALA**

On 7.4.2003, a 12 year old boy Master Saran Kumar was bathing in the Periyar Valley Irrigation Canal when he suddenly drifted downward along the swift current and started drowning. Master Ajith Kumar jumped into the canal and after struggling hard, he dragged Master Saran Kumar towards the bank and saved his life. Master Ajith Kumar P.T. showed bravery in saving the life of a boy from drowning.

18. **KUMARI RAMSEENA R.M.**  
**RAJENA HOUSE, KUTTICHAL,**  
**THIRUVANANTHAPURAM-695574**  
**KERALA**

On 8.4.2003, Kumari Ramseena and her three year old cousin Kumari Rizana were playing in front of their house. A speeding car dashed into their house compound. Seeing Kumari Rizana in the way of the car, Kumari Ramseena rushed to save her. In the process, the car ran over Kumari Ramseena's left leg. While Kumari Rizana was saved but Kumari Ramseena's leg had to be amputated below the knee. Kumari Ramseena R.M. displayed courage and promptitude in saving the life of a girl at a risk to her own life.

**19. KUM. CHUNESHWARI KOTHALIA  
C/O SHRI MOOLCHAND KOTHALIA  
VILLAGE & P.O. PANEKA  
DISTT. RAJNANDGAON, CHHATTISGARH.**

On 26.4.2003, a fire broke out in Shri Moolchand Kothalia's house when both he and his wife were away at work. Shri Kothalia's 2 1/2 year old son Master Deepak was asleep in the house. Kumari Chuneshwari Kothalia managed to bring out Master Deepak safely. Kumari Chuneshwari Kothalia displayed bravery and promptitude in saving the life of the child in a fire incident.

**20. MASTER RAMSADHARAN  
C/O SHRI BHADAR,  
VILL- BHALUKACHAR,  
POST DARIMA, BLOCK AMBIKAPUR  
CHHATTISGARH**

On 3.5.2003, Master Arjun and Master Ramsadharan had gone to graze cattle on the banks of river Barnai. Master Arjun was suddenly attacked by a leopard. Master Ramsadharan started throwing stones at the leopard and screamed continuously. The leopard ran towards Master Ramsadharan, who continued to throw stones at the animal. One of the stones hit the leopard and it fled away. Master Ramsadharan exhibited courage and bravery in saving the life of a boy in a leopard attack ignoring the risk to his own life.

**21. MASTER ASIT RANJAN SAMAL (POSTHUMOUS)  
SHRI RABI PRASAD SAMAL  
AT/PO. ANGALO,  
DISTT. JAJPUR-755035, ORISSA.**

On 29.5.2003 Master Asit Ranjan Samal, his friend Shri Devi Prasanna Jena and his cousin, Master Amit Kumar Samal, went to bathe in the Kharasrota river at Begamara Ghat. While bathing, both Master Prasanna Jena and Master Amit Kumar Samal got swept downstream and were trapped in the strong under-current. Seeing them drowning, Master Asit Samal swam towards them and

managed to pull them out of danger. However, tired by the effort, Master Asit Samal himself got caught in the whirlpool and drowned. Master Asit Ranjan Samal displayed extraordinary courage and bravery in his attempt to save the lives of two persons from drowning. However, he lost his own life in the process.

**22. MASTER LALRAMDINTHARA (POSTHUMOUS)**  
SALEM BOARDING SCHOOL  
P.O. WEST PHAILENG  
DISTT. MAMIT-796431, MIZORAM

On 12.6.2003, the hostellers of Salem Boarding School had to go to the main road to bring essential provisions. On the way, they had to cross Teivei river, which was in spate. As Master Lalramdinathara and Zothanpuia were swimming across the Teipei river, Master Lalramdinthara heard his friend scream for help when he had nearly reached the bank. He swam back to help his friend who was drowning. Master Zothanpuia grasped Master Lalramdinthara firmly and as a result both the boys were swept away by the strong current. Although Lalramdinthara was a good swimmer yet he could not save himself as the other boy had held him tightly. Master Zothanpuia was later saved by his other friends but Master Lalramdinthara could not be rescued. Master Lalramdinthara showed great courage and bravery in his attempt to save the life of his friend. However, he made the supreme sacrifice of his life in the process.

**23. MASTER VIVEK PURKAYASITHA**  
C/O SHRI S.K. DEY,  
ULUBARI, G.S. ROAD  
GUWAHATI-781007, ASSAM

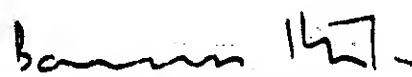
On 22.6.2003, a gang of six armed dacoits broke into Shri Purkayasitha's house. When he and his wife refused to hand over money and ornaments, the dacoits attacked Smt. Purkayasitha with a sharp weapon injuring her severely on the head. Master Vivek, who was sleeping in the next room, heard the commotion and rushed to the spot and saw his father being attacked. Master Vivek caught hold of one of the dacoits and raised an alarm for help. The dacoit

bit him and injured him with a knife but Master Vivek did not let him go. Meanwhile, hearing his screams, neighbours rushed to their house. The dacoits tried to flee. However, Master Vivek, held on to a dacoit tightly. With the help of the neighbours the other two fleeing dacoits were also caught. Master Vivek Purkayasitha showed exemplary courage and bravery in foiling a dacoity case and apprehending three dacoits.

  
(Barun Mitra)  
Director

The 31st May 2004

No. 98-Pres/2004, The Police Medal for Meritorious Service awarded to Shri S. Durairaj, Commandant, 10<sup>th</sup> BN, TSP, Ulundurpet, Tamil Nadu vide President's Secretariat Notification No. 2-Pres/2004 dated the 26<sup>th</sup> January 2004 and published in Part I Section I of the Gazette of India dated Saturday, the 21<sup>st</sup> February, 2004 is hereby cancelled and the medal forfeited under Rule 8 of the Rules governing the award of Police Medal.

  
(Barun Mitra)  
Director